(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा): (क) और (ख) सरकार को ऐसी कोई शिकायत/सूचना नहीं मिली है।

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का दोहन

2431. श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के दोहन के क्षेत्र में अब तक कितनी प्रगति हुई है;

(ख) प्रत्येक राज्य में इस क्षेत्र में अब तक कितनी धनराशि खर्च की गई है;

(ग) क्या इस क्षेत्र में और अधिक निवेश और अनुसंधान की आवश्यकता है;

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने इस क्षेत्र में और अधिक विकास और प्रगति के लिए अनिवासी भारतीयों को आमंत्रित किया है?

अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत दोहन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के अधीन की गई प्रगति तालिका — विवरण-1 में दर्शाई गई है (नीचे देखिए)।

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम चार वर्षों के दौरान निर्मुक्त राज्यवार राशि तालिका — विवरण-2 में दी गई है (नीचे देखिए)।

(ग) और (घ) जी हां। सरकार ने नई लक्ष्योन्मुखी तथा उद्योग संचालित अनुसंधान तथा विकास रणनीति की घोषणा की है जो 1994-95 से कार्यान्वयनाधीन है। वर्ष 1996-97 के लिए मुख्य कार्यक्रमों के लिए योजना के ब्यौरे तालिका — (विवरण-3) में दिए गए हैं (नीचे देखिए)।

(ङ) जी हां। सरकार ने इस क्षेत्र में और विकास के लिए अप्रवासी भारतीयों सहित विदेशों से निजी क्षेत्र भागीदारी को आमंत्रित किया है।

विवरण-1

क्रम सं०	कार्यक्रम	यूनिट	उपलब्धि मार्च, 1996 तक
1.	परिवार आकार के बायोगैस संयंत्र	लाख सं०	23.59
2.	सामुदायिक/संस्थागत/विष्ठा आधारित बायोगैस संयंत्र	संख्या	1623
3.	उन्नत चूल्हा	लाख सं०	225
4.	एकीकृत ग्राम ऊर्जा कार्यक्रम	ब्लॉक	668
5.	सौर तापीय प्रणालियां	वर्गमीटर क्षेत्र में	3,64,354
6.	सौर कुकर	संख्या	4,06,642
7.	सौर घरेलू रोशनी प्रणालियां	संख्या	37,359
8.	सौर प्रकाशवोल्टीय सिंचाई पंप	संख्या	1704
9.	प्रकाशवोल्टीय विद्युत यूनिट	(के०डब्ल्यू)	909.30
10.	सौर लालटेन	संख्या	81,059
11.	सौर सड़क रोशनी	संख्या	30,999
12.	पवन पंप	संख्या	3158
13.	पवन बैटरी चार्जर	संख्या	121
14.	पवन फार्म	मेवा०	732
15.	बायोमास आधारित विद्युत सहउत्पादन	मेवा०	31
16.	बायोमास स्टैंडलोन गैसीफायर	मेवा०	22
17.	ऊर्जा ग्राम परियोजना	संख्या	218

विवरण-2

मंत्रालय द्वारा विभिन्न अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत कार्यक्रमों के विकास के लिए 8वीं योजना के (1992-93, 1993-94, 1994-95 और 1995-96) प्रथम चार वर्षों की अवधि के दौरान राज्यवार वितरित धन।

(लाख रु० में)

क्रम सं०	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वितरित कुल राशि
1.	आंध्र प्रदेश	1579.38
2.	अरुणाचल प्रदेश	2007.06
3.	असम	278.36
4.	बिहार	787.77
5.	गोवा	38.32
6.	गुजरात	4483.24
7.	हरियाणा	609.73
8.	हिमाचल प्रदेश	1414.21
9.	जम्मू एवं कश्मीर	395.50
10.	कर्नाटक	3541.19
11.	केरल	1205.93
12.	मध्य प्रदेश	3084.73
13.	महाराष्ट्र	4657.84
14.	मणिपुर	129.72
15.	मेघालय	117.19
16.	मिजोरम	953.99
17.	नागालैंड	302.81
18.	उड़ीसा	2260.37
19.	पंजाब	1355.04
20.	राजस्थान	1353.65
21.	सिक्किम	246.43
22.	तमिलनाडु	3339.13
23.	त्रिपुरा	96.52
24.	उत्तर प्रदेश	4911.59
25.	पश्चिम बंगाल	1681.23
26.	दिल्ली	292.63
27.	पांडिचेरी	7.77
28.	चंडीगढ़	14.87

विवरण-3

क्रम सं०	कार्यक्रम/उप-कार्यक्रम	यूनिट	वास्तविक लक्ष्य* 1996-97
	I. ग्रामीण ऊर्जा		
1.	परिवार बायोगैस संयंत्र	लाख सं०	1.80
2.	सीबीपी/आईबीपी/एनबीपी	संख्या	200
3.	उन्नत चूल्हा	लाख सं०	25.00
5.	बायोमास/स्टैंडीलोन गैसीफायर	मेवा०	6
	II. सौर ऊर्जा		
9.	सौर प्रकाशवोल्टीय कार्यक्रम		
	क. एसपीवी सड़क रोशनी	संख्या	500
	ख. एसपीवी घरेलू रोशनी	संख्या	10000
	ग. एसपीवी लालटेन	संख्या	35,000
	घ. एसपीवी विद्युत संयंत्र (लघु)	किवा०	50
10.	एसपीवी सिंचाई पंप	संख्या	1000
11.	सौर तापीय ऊर्जा कार्यक्रम		
	क. सौर जल तापक प्रणालियां	(वर्ग मी० संग्राहक क्षेत्र)	50,000

क्रम सं॰	कार्यक्रम / उप-कार्यक्रम	यूनिट	वास्तविक लक्ष्य* 1996-97
	ख. सौर कुकर	संख्या	35,000
12.	क. पवन पंप	संख्या	200
	ख. पवन बैटरी चार्जर	किवा॰	35
	III. विद्युत उत्पादन		
13.	पवन विद्युत (प्रदर्शन परियोजनाएं)	मेवा॰	4
14.	लघु जल विद्युत	मेवा॰	30
15.	बायोमास सहउत्पादन	मेवा॰	55
16.	बायोमास कम्पस्टन आधारित विद्युत	मेवा॰	10

Funds to NISWASS under JRY Innovation Scheme

2432. SHRI S. AUSTIN: Will the Minister of RURAL AREAS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) what are the details of the JRY-Innovation Scheme;

(b) the amount of funds disbursed under the Scheme in 1994-95, 1995-96 and the current year;

(c) who are the beneficiaries under this scheme;

(d) the amount of funds received by NISWASS of Orissa under this scheme; and

(e) the persons who are running NIS-WASS currently?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI CHANDRADEO PROSAD VARMA): (a) Innovative Jawahar Rozgar Yojana (IJRY) aimed at prevention of migration of labour, enhancing women's employment, development of core infrastructure to provide long-term opportunities, integration of on-going scheme, devetailing of non-JRY resources for taking up socially and economically relevant material intensive works under JRY, application of appropriate technology in the field of agriculture etc.

(b) The amount of funds released under the scheme is as under:

(Rs. in lakhs)

Year	Funds released
1994-95	4260.99
1995-96	3620.22
1996-97 (upto July •96)	713.94

(c) The beneficiaries under the scheme are the special group of people or areas which are getting bypassed by on-going rural development programmes such as primitive tribal people, migrant labourers, bonded labourers and family among which child-labour predominates. Similarly, the project should be relating to areas which are remote and inaccessible and extremely backward in social and economic infrastructure.

(d) A project proposal to provide total employment in the Tumudibandh and Kotagarh Block of district Phulbani, Orissa, to be implemented by the NISWASS, has been approved. However, no funds have been received by the NISWASS so far.

(e) The NISWASS is being managed by a Board of Governors consisting of educationists, social activists, philantropist etc., under the Chairmanship of Vice-3Chancellor, Uttkal University, Bhubnesh war, Orissa.